RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शनिवार 14 जून 2025 वर्ष 07 अंक 56 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी ® खबरें बे-रोकटोक

ठाणे शहर में लापरवाह कंपनियों पर मनपा की सर्जिकल स्ट्राइक

Page - 2

'ड्रीमलाइनर पर क्यों नहीं लगी रोक'

विमान हादसे पर राज ठाकरे ने उठाए गंभीर सवाल, क्या मिलेगा जवाब ?

मुंबई: अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया के विमान हादसे के बाद पूरे देश में हड़कंप मच गया है। इस भीषण दुर्घटना में कई यात्रियों ने जान गंवाई। इसी पृष्ठभूमि में मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे ने एक गंभीर सवाल उठाया है कि जब ड्रीमलाइनर विमानों पर डीजीसीए को इतनी शिकायतें मिल रही थीं, तब भी इन पर प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया गया? राज के इस बयान के बाद विमानन क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर गंभीरता का माहौल बन गया है।

उन्होंने जो मुद्दा उठाया है, यह साल 2020 से 2023 के बीच का है, जब ड्रीमलाइनर विमानों में दुनियाभर में बार-बार तकनीकी खराबियां सामने आई थीं। अमेरिकी कंपनी बोइंग द्वारा निर्मित इन ड्रीमलाइनर विमानों की सुरक्षा को लेकर पहले भी सवाल उठे थे। गौर करने वाली बात यह है कि केवल एयर इंडिया ही नहीं, बल्कि कई अन्य विमान कंपनियों ने भी 40 से अधिक ड्रीमलाइनर विमानों का ऑर्डर दिया था।

ड्रीमलाइनर विमानों को लेकर समस्याएं

उस समय इन विमानों को सेवा में लेने के लिए सरकार और डीजीसीए की तरफ से अनुमति दी गई थी। इस पर ठाकरे ने कहा कि जब दुनिया भर में ये विमान तकनीकी खामियों की वजह से सेवा से हटाए जा रहे थे, तब भारत में इन्हें सेवा में क्यों रखा गया? इस हादसे में उपयोग में लाया गया विमान 28 जनवरी 2014 को एयर इंडिया की सेवा में शामिल हुआ था। इसके बाद के वर्षों में ड्रीमलाइनर विमानों को लेकर कई समस्याएं सामने आई थीं। जैसे इंजन में खराबी, इलेक्ट्रिकल सिस्टम फेल होना, केबिन प्रेशर की दिक्कतें आदि। इन घटनाओं ने इन विमानों की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए थे। फिर भी भारत सरकार और डीजीसीए ने इन विमानों पर सख्त निर्णय क्यों नहीं लिया।

राज ने किए गंभीर सवाल

राज ने कहा अगर हमें इन विमानों की शिकायतें पहले से पता थीं, तो हमने इन्हें इस्तेमाल करने की अनुमति क्यों दी? डीजीसीए ने कोई कार्रवाई क्यों नहीं की? क्या सिर्फ इसलिए कि ये विदेशी कंपनी द्वारा बनाए गए हैं, हम उन पर आंख बंद कर भरोसा करें? इस पूरे मामले के सभी तथ्य अभी तक पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हुए हैं। इसलिए हादसे की गहराई से जांच करना अत्यंत आवश्यक है। इस दुर्घटना का असली कारण क्या था तकनीकी खराबी या मानवीय चूक यह जांच के बाद ही सामने आ पाएगा।

माहिम में क्लाउड किचन में एसी कंप्रेसर ब्लास्ट होने से एक की मौत 4 जख़्मी ।

मुंबई : मुंबई के माहिम में स्थित क्लाउड किचन में शाम तकरीबन 6 बजे गस सिलेंडर ब्लास्ट होने की वजह से एक की मौत हो गई और चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए। बताया जा रहा है कि एसी कंप्रेसर में जोरदार विस्फोट होने से आग लगी, जिसमें एक जन की जलने से मौत भी हो गई है। पुलिस और दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया है। साथ ही आग में फंसे अन्य लोगों को भी बचाने में कामयाब रहे हैं।

मीरा रोड : झगड़े के दौरान लिव-इन पार्टनर की हत्या के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

मीरा रोड : पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को मीरा रोड इलाके में गुस्से में आकर अपनी लिव-इन पार्टनर की गला रेतकर हत्या करने के आरोप में 24 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। आरोपी की पहचान समशुद्दीन मोहम्मद हफीज के रूप में हुई है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि वह पिछले एक साल से पीड़िता करीना खुर्शीद अली उर्फ सनाबानो (24) के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में था। उन्होंने बताया कि समशुद्दीन करीना पर शादी करने का दबाव बना रहा था, जबकि वह पहले पैसा कमाने पर ध्यान देना चाहती थी और इसी वजह से उनके बीच अक्सर बहस होती थी। अधिकारी ने बताया कि समशुद्दीन को यह भी शक था कि करीना किसी और के साथ संबंध में है।

12 जून की रात को दोनों के बीच तीखी बहस हुई और करीना ने समशुद्दीन को वहां से चले जाने को कहा। अधिकारी ने बताया कि गुस्से में आकर उसने कथित तौर पर चाकू से उसका गला रेत दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। समशुद्दीन मौके से भाग गया, लेकिन मीरा रोड पुलिस ने उसका पता लगा लिया और उसे गिरफ्तार कर लिया। अधिकारी ने बताया कि हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

फ्रेंडशिप के जाल में निवेश का धोखा...

दो पुरुषों से हुई लाखों की ठगी !

मुंबई : पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि अलग-अलग घटनाओं में ऑनलाइन 'महिला मित्रों' ने फर्जी योजनाओं में पैसा लगाने के लिए राजी करके शहर के दो निवासियों को ठगा। पहले मामले में, अंधेरी में रहने वाली एक निजी कंपनी की 29 वर्षीय मैनेजर को मैट्रिमोनियल साइट पर 'माही अग्रवाल' से शादी का प्रस्ताव मिला। उन्होंने ऑनलाइन चैटिंग शुरू कर दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि महिला ने दावा किया कि वह मलेशिया में क्रिप्टोकरेंसी निवेश से जुड़ी एक फर्म में काम कर रही है। उसके कहने पर, व्यक्ति ने 'कुकॉइन एक्सचेंज' पर एक खाता खोला और 'बूस्ट बेस' ऐप डाउनलोड किया। एक महीने के भीतर, उसने क्रिप्टोकरेंसी में 32.88 लाख रुपये का निवेश किया। लेकिन जब उसने 18 मई को पैसे निकालने की कोशिश की, तो वह ऐसा करने में असमर्थ रहा। उसकी शिकायत पर, पश्चिम क्षेत्र साइबर पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

एक अन्य घटना में, चांदीवली क्षेत्र के एक 44 वर्षीय व्यक्ति को 14 मई को फेसबुक पर 'प्रिया कुमारी' नामक एक व्यक्ति से फ्रेंड रिक्वेस्ट मिली। गुरुग्राम की एक फैशन डिजाइनर होने का दावा करने वाली महिला ने उससे ऑनलाइन चैट की और उसे एक ऐप के माध्यम से 'शेयर ट्रेडिंग' में 42 लाख रुपये निवेश करने के लिए राजी किया। उसके तथाकथित वर्चुअल अकाउंट में 90 लाख रुपये का बैलेंस दिखाया गया, लेकिन जब उसने पैसे निकालने की कोशिश की, तो उसे टैक्स के नाम पर और पैसे जमा करने के लिए कहा गया। आदमी को एहसास हुआ कि यह एक घोटाला था और उसने पुलिस से संपर्क किया।

तंबाकू को लेकर हुआ विवाद बना जानलेवा, 18 वर्षीय युवक की हत्या

मुंबई : महाराष्ट्र के नागपुर शहर में तंबाकू को लेकर हुई तीखी बहस के बाद 18 वर्षीय एक युवक को उसके दो दोस्तों ने कथित तौर पर पीट-पीट कर मार डाला। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना 9 जून को हुई और पीड़ित की पहचान आर्यन वाहिले के रूप में हुई है। गुब्बारा सजाने का काम करने वाला आर्यन अक्सर आरोपी राहुल श्याम हजारे (24) और नागेश्वर उर्फ सोनू मसराम (23) के साथ काम करता था। अजनी थाने के एक अधिकारी ने बताया कि आर्यन ने राहुल से तंबाकू और सुपारी का मिश्रण 'खर्रा' देने को कहा जिसके बाद झगड़ा शुरू हो गया। बहस हिंसक हो गई और राहुल ने कथित तौर पर आर्यन के सिर पर लोहे की रॉड से वार किया। उन्होंने बताया कि आर्यन अगले दिन बेहोश पाया गया और यहां सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच) में उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि हालांकि शुरू में इसे आकस्मिक मौत माना गया था, लेकिन पोस्टमार्टम से पुष्टि हुई कि मौत सिर में चोट लगने के कारण हुई। उन्होंने कहा कि आरोपी दोनों पर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है।

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

चांदी में तेजी का दौर...

सोने की कीमतों में तेजी के साथ ही कारोबारियों और निवेशकों ने चांदी (तथा अन्य महंगी धातुओं मसलन प्लेटिनम और वैनेडियम आदि) पर भी ध्यान देना शुरू कर दिया है। वर्ष 2024 में चांदी, डॉलर के संदर्भ में 21 फीसदी महंगी हुई जबकि सोने की कीमतें 28 फीसदी चढ़ी थीं। वहीं 2025 में 31 मई तक चांदी और सोना दोनों 25 फीसदी तक ऊपर गए। इस रिटर्न ने बहुत आसानी से समान अवधि में शेयर बाजार सूचकांकों के प्रतिफल को पीछे छोड़ दिया। भारतीय निवेशकों ने दोनों धातुओं में तेजी का लाभ उठाया। जून 2024 और 1 जून, 2025 के बीच भारतीय सिल्वर एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) के प्रबंधन के अधीन परिसंपत्तियों का मूल्य 125 फीसदी बढ़कर 16,866.20 करोड़ रुपये हो गया। समान अवधि में गोल्ड ईटीएफ की प्रबंधन के अधीन परिसंपत्तियां 82 फीसदी बढ़कर 62,452.94 करोड़ रुपये रहीं। 31 मई, 2025 को करीब 8,37,000 सिल्वर ईटीएफ फोलियो थे जबकि जनवरी 2025 में इनकी संख्या 6,00,000 थी।

चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव का संबंध सोने की कीमतों से है लेकिन दोनों धातुओं का औद्योगिक प्रोफाइल बहुत अलग है। अपने रासायनिक गुणों के कारण सोने का इस्तेमाल कई वैज्ञानिक प्रयोगों में भी होता है। हां, इसका इस्तेमाल आभूषण उद्योग में भी किया जाता है। परंतु कुल स्वर्ण उत्पादन का करीब केवल 15 फीसदी ही इन उद्देश्यों में इस्तेमाल किया जाता है। अधिकांश सोने को खरीदकर रख लिया जाता है क्योंकि इसे मुद्रास्फीति और आर्थिक अनिश्चितताओं से बचाव का बढ़िया माध्यम माना जाता है। वहीं चांदी की करीब दो-तिहाई खपत विभिन्न औद्योगिक गतिविधियों में होती है। चांदी ताप और बिजली की सबसे बड़ी सुचालक होती है और इसमें मजबूत एंटी बैक्टीरियल गुण भी होते हैं। इसका इस्तेमाल सेमीकंडक्टर बनाने में होता है और रासायनिक प्रक्रियाओं में उत्प्रेरक के रूप में भी। चांदी का इस्तेमाल बैटरी बनाने में, विभिन्न मिश्र धातुओं में, सौर ऊर्जा में, सेलफोन की टच स्क्रीन में तथा जल शोधक संयंत्रों में भी होता है। इनमें से कई उद्योगों की वृद्धि प्रोफाइल मजबूत है और चांदी में निवेश करने वालों को औद्योगिक प्रोफाइल को भी ध्यान में रखना चाहिए। अकेले सौर ऊर्जा/फोटोवोल्टिक उद्योग से उत्पन्न होने वाली मांग 12 फीसदी की वार्षिक दर से बढ़ रही है। वहीं अन्य अनुप्रयोगों से भी मांग बहुत तेजी से बढ़ रही है। कमजोर वैश्विक वृहद माहौल के बावजूद चांदी की औद्योगिक मांग बरकरार है। अब तक चांदी की कीमतें कई साल के उच्चतम स्तर पर हैं। सोने की कीमतें भी रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब हैं।

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK
LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE
SHARE
COMMENT
SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

मुंबई : एयर इंडिया की उड़ान की दुर्घटना एक "बहुत ही आश्चर्यजनक - पूर्व केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री

मुंबई : पूर्व केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री (एमओएस) प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि एयर इंडिया की उड़ान की दुर्घटना एक ''बहुत ही आश्चर्यजनक'' बात है क्योंकि बोइंग 787 ड्रीमलाइनर एक बहुत ही उन्नत तकनीकी विमान है। एएनआई से बात करते हुए पटेल ने इस बात पर जोर दिया कि केवल जांच से ही घटना के पीछे के तथ्य सामने आएंगे। ''यह बहुत दुखद दिन है। हम सभी इस बात से बहुत चिंतित हैं कि ऐसी दुर्घटना हुई है। पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति हमारी संवेदनाएँ। मैं उम्मीद करता हूँ कि अगर कोई जीवित बचा है तो वह जल्द ही ठीक हो जाएगा... यह दुर्घटना - कैसे और क्यों हुई - बहुत ही आश्चर्यजनक बात है क्योंकि 787 ड्रीमलाइनर तकनीकी रूप से बहुत ही उन्नत विमान है। दुनिया भर में कई एयरलाइनों द्वारा हजारों ड्रीमलाइनर उड़ाए जाते हैं। विमान पर संदेह करने का कोई कारण नहीं है,'' प्रफुल्ल पटेल ने कहा।

उन्होंने यह भी बताया कि केवल ''ब्लैक-बॉक्स'' से ही पता चलेगा कि चीजें गलत क्यों हुईं। प्रफुल्ल पटेल ने कहा, ''कैप्टन ने 'मेडे' कॉल किया था, लेकिन हमें यह भी याद रखना चाहिए कि विमान ने दिल्ली से अहमदाबाद के लिए उड़ान भरी थी और जाहिर है कि इसमें कोई गड़बड़ी नहीं थी, अन्यथा कैप्टन ने अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भरने का फैसला नहीं किया होता, जो कि बहुत लंबी उड़ान है और इस पर विचार करने का कोई कारण भी नहीं है, क्योंकि पायलट ने उड़ान से पहले जांच की होगी। हर उड़ान में उड़ान से पहले जांच होती है और कैप्टन और सेकेंड-इन-कमांड यह सुनिश्चित करने के लिए सभी जांच करते हैं कि विमान उड़ान के योग्य है या नहीं।'' उन्होंने कहा, ''इस मामले में साढ़े नौ घंटे की उड़ान के दौरान सब कुछ ठीक था। क्या गलती हुई, इसका पता केवल जांच से ही चल सकता है।'' अहमदाबाद से 242 यात्रियों को लेकर लंदन जा रहा एयर इंडिया का विमान गुरुवार को अहमदाबाद हवाई अड्डे के निकट मेघानीनगर क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया । एयर इंडिया के अनुसार, ''एयर इंडिया पुष्टि करता है कि अहमदाबाद से लंदन गैटविक जाने वाली उड़ान संख्या अक171 आज उड़ान भरने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई। अहमदाबाद से 1338 बजे रवाना हुई इस उड़ान में बोइंग 787-8 विमान में 242 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। इनमें से 169 भारतीय नागरिक, 53 ब्रिटिश नागरिक, 1 कनाडाई नागरिक और 7 पुर्तगाली नागरिक हैं।'' अधिकारी ने बताया कि विमान की कमान कैप्टन सुमित सभरवाल के पास थी, जो 8,200 घंटे उड़ान का अनुभव रखने वाले एलटीसी हैं। उनकी सहायता फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव कुंदर कर रहे थे, जिन्हें 1,100 घंटे उड़ान का अनुभव था। इसने एटीसी को मेडे कॉल किया, लेकिन उसके बाद एटीसी द्वारा की गई कॉल पर विमान ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। अधिकारी ने बताया, ''रनवे 23 से उड़ान भरने के तुरंत बाद विमान हवाई अड्डे की परिधि के बाहर जमीन पर गिर गया।

ठाणे शहर में लापरवाह कंपनियों पर मनपा की सर्जिकल स्ट्राइक
56 होर्डिंग्स पर मंडरा रहा खतरा

ठाणे : शहर में मानसून की दस्तक से पहले ठाणे महानगरपालिका ने सुरक्षा के लिहाज से बड़ी कार्रवाई की तैयारी कर ली है। मनपा सीमा के भीतर लगे 195 होर्डिंग्स में से 139 विज्ञापन कंपनियों ने अपने होर्डिंग्स के स्ट्रक्चरल ऑडिट की रिपोर्ट मनपा को सौंप दी है, लेकिन 56 कंपनियां अब भी लापरवाही बरत रही हैं। इन कंपनियों ने तय समयसीमा के भीतर ऑडिट रिपोर्ट जमा नहीं की, जिससे अब उन पर मनपा का डंडा चलने वाला है।

बता दें कि मनपा के विज्ञापन विभाग ने साफ कर दिया है कि सोमवार से उन सभी होर्डिंग्स के बैनर हटाने की कार्रवाई शुरू की जाएगी, जिनकी रिपोर्ट अब तक जमा नहीं हुई है। इसके बावजूद यदि ऑडिट रिपोर्ट जमा नहीं की जाती है, तो मनपा होर्डिंग्स को पूरी तरह हटाने की भी कार्यवाही करेगा। प्रशासन ने पहले ही 25 मई की डेडलाइन तय की थी, ताकि बारिश से पहले सभी ढांचों की मजबूती की जांच सुनिश्चित हो सके। ठाणे शहर में कई ऐसे स्थान हैं- जैसे कलवा की खाड़ी किनारा, राजमार्ग और प्रमुख चौराहे जहां बड़े-बड़े होर्डिंग्स लगे हैं। ये स्थान हवा और पानी के प्रभाव में सबसे अधिक रहते हैं और यहां हादसे की आशंका भी ज्यादा होती है। ऐसे में इन स्ट्रक्चर्स का मजबूत होना बेहद जरूरी है। मनपा हर साल विज्ञापन कंपनियों से स्ट्रक्चरल ऑडिट रिपोर्ट की मांग करता है, ताकि बारिश के दौरान किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके। लेकिन हर साल कुछ कंपनियां इसे टालती हैं, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा को खतरा होता है। विज्ञापन विभाग के सहायक आयुक्त दशरथ वाघमारे ने बताया कि इस बार निगम पूरी सख्ती से पेश आ रहा है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट जमा न करने वालों पर सोमवार से कार्रवाई शुरू की जाएगी और शहर की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

हर वर्ष 5,000 नई बसें खरीदी जाएंगी, जिनमें 1,000 स्मार्ट ई-बसें - प्रताप सरनाईक

पुणेः राज्य सरकार द्वारा ई-वाहनों को प्रोत्साहन देने की नीति को एसटी महामंडल ने अपनाया है। इसके तहत हर वर्ष 5,000 नई बसें खरीदी जाएंगी, जिनमें से कम से कम 1,000 स्मार्ट ई-बसें होंगी। ये सभी बसें एसटी महामंडल की स्वामित्वाधीन होंगी, ऐसी जानकारी राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने दी। पुणे की एक कंपनी द्वारा उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के लिए तैयार की गई स्मार्ट ई-बस का प्रदर्शन सरनाईक के समक्ष किया गया। इसके बाद उन्होंने बताया कि इन ई-बसों में एआई आधारित एकीकृत सुरक्षा प्रणाली होनी चाहिए। स्वारगेट बस घटना की पृष्ठभूमि को देखते हुए, बस में बाहरी व्यक्ति सहज प्रवेश न कर सकें, इस प्रकार की प्रणाली होनी आवश्यक है। यदि बस में आग लगती है या कोई अन्य आपात स्थिति होती है, तो तत्काल प्रतिक्रिया देने वाली प्रणाली भी बस में होनी चाहिए, इस बारे में भी उन्होंने बस निमार्ता कंपनी को निर्देश दिए हैं।

जारी किया जाएगा श्वेतपत्र

परिवहन मंत्री ने बताया कि एसटी महामंडल पर फिलहाल 11,000 करोड़ रुपये का संचयी घाटा है। इसलिए जल्द ही इस पर एक

श्वेतपत्रिका जारी की जाएगी। पुरानी गलतियों को सुधार कर नई प्रणाली के तहत काम शुरू किया जाएगा, हालांकि सुधार धीरे-धीरे अगले ढाई वर्षों में किए जाएंगे। मंत्री सरनाईक ने कहा उपमुख्यमंत्री अजित पवार परिवहन विभाग को खुले हाथों से निधि प्रदान कर रहे हैं और 2029 तक 25,000 नई बसें लाने का लक्ष्य है।

मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा पिछले चार वर्षों में एसटी महामंडल ने कोई नई बस नहीं खरीदी है। वर्तमान में एसटी के पास कुल 14,500 बसें हैं और इसे बढ़ाया जा रहा है। प्रत्येक वर्ष 5,000 बसें खरीदी जाएंगी, जिनमें 1,000 बसें इलेक्ट्रिक होंगी, यह मेरी प्राथमिकता है। अगले 10 वर्षों में पुरानी बसों को चरणबद्ध तरीके से हटाया जाएगा और उनकी जगह नई, अधिक सुरक्षित बसें लाई जाएंगी।

वसई - विरार क्षेत्र में अवैध स्कूलों की भरमार, नगरनिगम ने जारी की सैकड़ों अवैध स्कूलों की सूची....

अवैध जमीनों पर बने हैं स्कूल

नालासोपारा : पालघर जिले में शिक्षा व्यवस्था की चिंताजनक स्थिति सामने आई है, जहां शिक्षा अधिकारियों की कथित मिलीभगत से अवैध स्कूलों का जाल फैलता जा रहा है, खासकर वसई-विरार क्षेत्र की झुग्गी बस्तियों में। इन स्कूलों में न तो पर्याप्त शिक्षक हैं और न ही उचित शैक्षणिक वातावरण, जो बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है। पिछले कुछ वर्षों में पालघर जिले में अवैध स्कूलों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। बिना किसी अनुमति के हर गली-चौराहे पर स्कूल खुल गए हैं। ये अवैध स्कूल प्रबंधन छात्रों के अभिभावकों से मनमानी फीस वसूल रहे हैं। शिक्षा विभाग ने इस वर्ष सैकड़ों स्कूलों को अवैध घोषित किया है। इसे शिक्षा विभाग की लापरवाही कहें या शिक्षा माफियाओं से मिलीभगत, क्योंकि विभाग द्वारा जारी अवैध स्कूलों की अधिसूचना सामान्य अभिभावकों तक नहीं पहुंचती। परिणामस्वरूप, प्राथमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा का भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है। शिक्षा विभाग बिना वैध दस्तावेजों की जांच किए बगैर स्कूलों का संचालन करने की अनुमति अनुमात देता रहा है और जिला शिक्षा विभाग प्रतिवर्ष प्रवेश सत्र के दौरान नोटिस जारी कर केवल कागजी खानापूर्ति करता हुआ दिखाई देता है, जबकि शिक्षा विभाग के नियमों के अनुसार अधिकांश स्कूलों की मान्यता रद्द होनी चाहिए।

वसई तालुका में आदिवासी और वन विभाग की जमीनों पर कई स्कूल चल रहे हैं, जिन्हें जिला शिक्षा विभाग से किसी भी परिस्थिति में मान्यता मिलना मुश्किल है। कई स्कूलों के पास पर्याप्त जगह की व्यवस्था भी नहीं है। शिक्षा विभाग ने इस प्रकार के सभी स्कूलों को अवैध घोषित किया है। इसके बावजूद, ये स्कूल घड़ल्ले से छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करते हुए संचालित हो रहे हैं, जिनमें, बाबा इंग्लिश स्कूल, कामन, ता. वसई प्रार्थना इंग्लिश स्कूल, कामन, ता. वसई लिटिल एंजल हाई स्कूल, कमान, तालुका वसई, शोभावती इंग्लिश हाई स्कूल, धानिव, नालासोपारा पूर्व, अथर्व अकादमी इंग्लिश स्कूल, धानिव, नालासोपारा पूर्व, परमात्मा शिव विद्यालय, हवाईपाड़ा, संतोष भुवन, नालासोपारा पूर्व, कृष्णा बाल विद्यामंदिर इंग्लिश प्राइमरी गवराई पाड़ा, नालासोपारा पूर्व, कृष्णा बाल विद्या मंदिर हिंदी प्राथमिक, गवराई पाड़ा, नालासोपारा पूर्व, मेरिटोरियस किड्स इंटरनेशनल स्कूल, गवराईपाड़ा नाका, नालासोपारा पूर्व, माता भगवती युग निर्माण स्कूल इंग्लिश, गायत्री नगर, हरवटेपाडा, धानीव, माता भगवती युग निर्मन विद्यालय हिंदीगायत्री नगर, हरवटेपाडा, धानीव, नाल्न ज्ञानसागर विद्यामंदिर, वाकनपाड़ा, नालासोपारा पूर्व, सेंट थोमस इंग्लिश स्कूल, वाकणपाडा, नालासोपारा पूर्व श्याम शारदा इंग्लिश प्राइमरी स्कूल, धानिव, नालासोपारा पूर्व, शारदा इंग्लिश हाई स्कूल, धानिव, नालासोपारा पूर्व, मोहम्मदी उर्दू, संतोष भुवन, नालासोपारा पूर्व पूर्व, लिटिल वि एंजेल हाई स्कूल, संतोष भुवन, नालासोपारा पूर्व, कॉसमॉस इंग्लिश स्कूल, धानिव, नालासोपारा पूर्व प्रिसिअस इंग्लिश स्कूल, धानीव, नालासोपारा पूर्व, कलकत्ता की संत टेरेसा, ईश्वर की माता, ईश्वर की माता जैसे सैकड़ों स्कूल शिक्षा विभाग की लापरवाही के कारण चल रहे हैं। स्थानीय मनपा प्रशासन ने क्षेत्र में फैले अवैध स्कूलों के लिए कोई नियमावली निधारित नहीं की है, जिसके चलते अवैध स्कूलों का निर्माण बेधड़क जारी है। वहीं, शिकायत मिलने पर मनपा प्रशासन कार्रवाई करने के बजाय जिला परिषद के शिक्षा विभाग पर मामला टाल देता है। तालुका के अधिकांश स्कूलों के पास न तो मनपा से निर्माण के लिए कोई वैध दस्तावेज है और न ही अग्निशमन विभाग से कोई अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) जारी किया गया।

पुणे : ट्रक ने स्कूटर को मार दी टक्कर; 29 वर्षीय महिला की मौत

पुणे : पुलिस ने बताया कि पुणे के गंगाधाम चौक पर एक ट्रक ने स्कूटर को टक्कर मार दी , जिससे 29 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई और उसके ससुर घायल हो गए। घटना का ब्यौरा देते हुए एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ''दुर्घटना सुबह करीब 11:15 बजे हुई, जब एक ट्रक जिसका पंजीकरण नंबर एमएच 14 एएस 8852 था, ने एक स्कूटर को पीछे से टक्कर मार दी, क्योंकि ट्रैफिक सिग्नल के हरे होने के बाद दोपहिया वाहन आगे बढ़ रहा था।'' जगदीश पन्नालाल सोनी (61) अपनी बहू दीपाली युवराज सोनी (29) को पीछे बैठाकर स्कूटर चला रहे थे।अधिकारी ने बताया, '' ट्रक ने स्कूटर को पीछे और बगल से टक्कर मार दी। दीपाली सोनी की मौके पर ही मौत हो गई। जगदीश सोनी को स्पाइरल अस्पताल ले जाया गया

और उनकी हालत स्थिर है।'' उन्होंने कहा, '' ट्रक को जब्त कर लिया गया है और चालक की पहचान शौकत अली पापालाल कुलकुंडी (51) के रूप में हुई है, जो भवानी पेठ, पुणे का निवासी है। उसे हिरासत में ले लिया गया है। उसकी मेडिकल जांच चल रही है।'' अधिकारी ने कहा, '' भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है , जो आईपीसी की धारा 304 के अनुरूप है। आगे की जांच जारी है।'' एक जून को हुई एक अन्य घटना में, सदाशिव पेठ क्षेत्र में भावे स्कूल के पास एक पर्यटक टैक्सी के नियंत्रण खोने से उसके सामने खड़े लोगों के एक समूह में टक्कर लगने से 12 लोग घायल हो गए। घायलों में से कई महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) की परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र थे। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना शाम करीब 7 बजे एक चाय की दुकान के पास हुई। जोन 1 के पुलिस उपायुक्त निखिल पिंगले ने कहा, ''प्रारंभिक जांच से पता चला है कि बिबवेवाड़ी निवासी 27 वर्षीय चालक जयराम मुले घटना के समय शराब के नशे में था।'' घटना के समय वाहन में एक सहयात्री भी मौजूद था। चालक और वाहन मालिक दोनों को हिरासत में ले लिया गया है।

गोराई में मानसून तक मनपा नहीं करेगी कार्रवाई...!

मुंबई : गोराई में अवैध निर्माण पर हो रही कार्रवाई मनपा प्रशासन ने फिलहाल मानसून तक रोक दी है। मनपा प्रशासन ने गुरुवार को स्थानीय रहवासियों द्वारा निकाले गए मोर्चे के बाद इस तरह का निर्णय लिया।

बता दें हाईकोर्ट के निर्देश पर राज्य सरकार ने गोराई, मढ़ और वसोर्वा में फर्जी नक्शों के आधार पर बनाए गए निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश मनपा को दिया था। पिछले कुछ महीनों से मनपा मढ़ एरंगल गांव में बनाए गए अवैध निर्माण पर तोड़क कार्रवाई कर रही है। फर्जी नक्शे के आधार पर किए अवैध निर्माण की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया था। एसआईटी रिपोर्ट के आधार पर मनपा ने अब गोराई में भी नोटिस जारी किया है। जिससे लोगों में आक्रोश है। मनपा नोटिस के खिलाफ स्थानीय रहवासियों ने नाराजगी जताते हुए मनपा के खिलाफ आर मध्य वार्ड कार्यालय पर गुरुवार को मोर्चा निकाला था जिसका राजनितिक पार्टियों का भी समर्थन मिला था। मोर्चे में शामिल हुए लोगो को मनपा की ओर से जानकारी दी गई कि मानसून में तोड़क कार्रवाई नहीं होगी। इससे जिन्हें नोटिस मिली थी उन्हें तत्काल राहत मिली है। गोराई एसोसिएशन की अध्यक्ष स्वीटी हेनरिक्स ने कहा कि मनपा की कार्रवाई अन्यायपूर्ण है। यहां के मूल निवासियों के पास 1962 का सबूत या टैक्स बिल नहीं है, तो क्या उनके निर्माण को ध्वस्त कर दिया जाएगा। यह हम पर अन्याय है जिसके खिलाफ हम लड़ाई लड़ रहे हैं।

क्या है मामला

आर मध्य वार्ड की सहायक आयुक्त संध्या नदिडकर ने बताया कि एसआईटी की जांच में पता चला कि गोराई समुद्र के किनारे बनाए गए निर्माण भी फर्जी नक्शे के आधार पर किया गया है। एसआईटी रिपोर्ट में बताया गया है कि ओरिजिनल प्लान में सीटीएस नंबर में कोई स्ट्रक्चर नहीं था। हमने नोटिस में कहा है कि जिनके पास निर्माण के कागजात है वह जमा करें। यहां पर करीब 50 स्ट्रक्चर को नोटिस दिया गया है। यह सभी निर्माण समुद्र के किनारे हैं। इनमें से 80 प्रतिशत निर्माण कमर्शियल और 5 से 6 रिहायशी हैं। कुछ लोगों के पास ही 1990-95 के कागजात हैं। मानसून में तोड़क कार्रवाई नहीं होगी। नदिडकर ने कहा कि विधायक ने कहा है कि वे राज्य सरकार के पास पॉलिसी बदल

डोंबिवली से दो लोग चार देसी आग्नेयास्त्रों, 35 जिंदा कारतूसों और दो मैगजीन के साथ गिरफ्तार

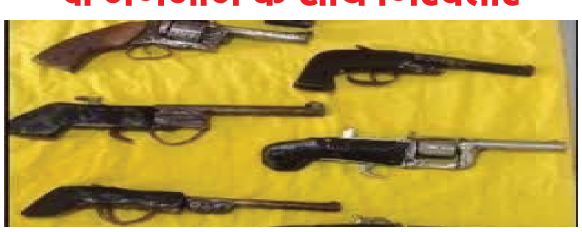

डोंबिवली : महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ते ने पड़ोसी ठाणे जिले के डोंबिवली से दो लोगों को कथित तौर पर चार देसी आग्नेयास्त्रों, 35 जिंदा कारतूसों और दो मैगजीन के साथ गिरफ्तार किया है, जिनकी कुल कीमत 7.5 लाख रुपये है, एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। एटीएस अधिकारी ने बताया कि पहली गिरफ्तारी महात्मा गांधी रोड से 35 वर्षीय एक व्यक्ति की हुई, जिसके पास से तीन देसी आग्नेयास्त्र और 35 जिंदा कारतूस जब्त किए गए। अधिकारी ने बताया, ''कलचवोकी एटीएस पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। उससे पूछताछ के बाद एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। हमने इस व्यक्ति से भी एक देसी आग्नेयास्त्र जब्त किया है।''

मुंबई : फेसबुक पर मिले एक महिला से धोखा खाने के बाद मात्र 19 दिनों में 40 लाख रुपये गंवा दिए...

मुंबई : एक चौंकाने वाली घटना में, मुंबई के चंदीवली के एक 44 वर्षीय व्यक्ति ने फेसबुक पर मिले एक महिला से धोखा खाने के बाद मात्र 19 दिनों में 40 लाख रुपये गंवा दिए। आरोपी ने खुद को प्रिया कुमारी के रूप में पेश किया और दावा किया कि वह गुड़गांव, दिल्ली की एक फैशन डिजाइनर है।

यह घटना 14 मई को हुई, जब पीड़ित को आरोपी प्रिया कुमारी से फ्रेंड रिक्वेस्ट मिली, जिसकी प्रोफाइल पिक्चर और बायो ने उसका ध्यान खींचा। अनुरोध स्वीकार करने के बाद, उसने फेसबुक मैसेंजर पर उससे चैट करना शुरू कर दिया और जल्द ही अपना व्हाट्सएप नंबर शेयर किया, उनकी बातचीत व्हाट्सएप पर चली गई, जहां उसने उसे शेयर बाजार में निवेश के बारे में सुझाव देना शुरू कर दिया।

सायबर पुलिस ने सायबर ठगी के 700 करोड़ रुपए बचाये

पिछले पांच सालों में पुलिस के समय पर रिस्पॉन्स से बचाये गये पैसे

मुंबई : महाराष्ट्र साइबर पुलिस ने 2019 से 2025 के बीच सामने आए ऑनलाइन फ्रॉड मामलों में बड़ी कार्रवाई करते हुए 700 करोड़ रुपए से अधिक की संदिग्ध धनराशि फ्रीज की है। यह कार्रवाई राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 और 1945 पर प्राप्त शिकायतों के आधार पर की गई। अधिकारियों के अनुसार, यह रकम बैंकों, पेमेंट गेटवे और डिजिटल वॉलेट सेवा प्रदाताओं की मदद से ट्रेस कर ब्लॉक की गई है। वर्तमान में यह जब्त धनराशि न्यायिक प्रक्रिया के अधीन है और अदालतों में मामले की सुनवाई चल रही है। यदि सब कुछ योजना के अनुसार होता है, तो राज्यभर के हजारों ठगी पीड़ितों को उनकी ठगी हुई रकम वापस मिल सकती है। 1930 हेल्पलाइन, महाराष्ट्र साइबर पुलिस द्वारा संचालित किया जाता है, यहां पूरे महाराष्ट्र से साइबर अपराध संबंधी शिकायतों को दर्ज की जाती है। यह सेवा नवी मुंबई के महापे स्थित कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से 24७7 संचालित होती है, जहां 150 से अधिक साइबर विशेषज्ञ

और सहायक कर्मचारी तैनात हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक यह हेल्पलाइन प्रतिदिन लगभग 8,000 कॉल्स प्राप्त करती है और इसका रिस्पॉन्स रेट 100% बताया गया है, जो कि देश में सबसे बेहतर माना जाता है। शिकायत दर्ज होते ही संबंधित बैंक और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को तुरंत अलर्ट भेजा जाता है।

साइबर ठगी में पैसे वापस दिलाना जटिल

महाराष्ट्र साइबर पुलिस बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ रियल-टाइम में समन्वय करती है ताकि संदिग्ध लेन-देन को समय रहते रोका जा सके। जैसे ही कोई धोखाधड़ी गतिविधि बताई जाती है, संबंधित बैंक को उस लेन-देन पर होल्ड या लीयन लगाने के निर्देश दिए जाते हैं। हालांकि अधिकारियों ने यह भी स्वीकार किया कि साइबर ठगी में पैसे वापस दिलाना एक जटिल और समय लेने वाली प्रक्रिया है, लेकिन इसे पीड़ितों को न्याय दिलाने में मदद मिलती है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, मुंबई, पुणे और ठाणे महाराष्ट्र में साइबर अपराध के सबसे बड़े हॉट स्पॉट बनकर उभरे हैं। 2024 में मुंबई में 54,836 शिकायतें दर्ज हुई जबकि पुणे में 26,332 और ठाणे में 23,148 शिकायतें आईं। नवी मुंबई और पिंपरी-चिंचवड़ जैसे शहरी क्षेत्रों में भी साइबर अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है। बहरहाल सायबर ठगी से बचने के लिए जरूरत है सतर्क रहने की। जिससे आप खुद को सायबर ठगी से बचा सकते हैं।

नागपुर: मामूली बात पर हुए झगड़े में 2 दोस्तों ने कर दी 18 वर्षीय युवक की पीट-पीटकर हत्या!

नागपुर: गुटखा (तंबाकू) न देने की मामूली बात पर हुए झगड़े में 2 दोस्तों ने मिलकर एक 18 वर्षीय युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी। लोहे की रॉड से सिर पर हमला किया गया, जिससे उसकी मौके पर ही हालत बिगड़ गई और इलाज शुरू होने से पहले ही उसकी मौत हो गई। यह दिल दहला देने वाली घटना नागपुर के अजनी थाना क्षेत्र में घटी। मृत युवक की पहचान आर्यन विलास वहिले (निवासी विश्वकर्मा नगर) के रूप में हुई है। पुलिस ने हत्या के आरोप में उसके दो दोस्तों -राहुल श्याम हजारे (24) और नागेश्वर उर्फ सोनू श्यामराव मसराम (23) झ को गिरफ्तार कर लिया है। आर्यन और दोनों आरोपी गुब्बारों की सजावट का काम करते थे और आपस में गहरी दोस्ती थी। आर्यन को नशे की लत थी और वह अक्सर बिना बताए घर से चला जाता था। घटना से 8 दिन पहले भी वह इसी तरह घर से लापता हो गया था।

फुटपाथ पर पड़ा था युवक

मंगलवार सुबह किसी स्थानीय युवक ने आर्यन के पिता को सूचना दी कि उनका बेटा अजनी पुलिस स्टेशन के पास फुटपाथ पर बेसुध पड़ा है। पिता उसे घर लेकर आए, नारियल पानी पिलाया और आराम करने के लिए सुला दिया। लेकिन रात करीब 9 बजे उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पोस्टमॉर्टम से खुला राज

प्रारंभ में मामला अकस्मात मृत्यु के तौर पर दर्ज किया गया था, लेकिन बुधवार को एक युवक ने आर्यन के पिता को बताया कि आर्यन का राहुल और नागेश्वर से झगड़ा हुआ था। उसने गुटखा मांगा था, लेकिन जब दोस्तों ने मना किया, तो कहासुनी हो गई। झगड़े के दौरान दोनों ने मिलकर उसकी बेरहमी से पिटाई की। राहुल ने लोहे की रॉड से उसके सिर पर वार किया था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सिर पर गहरी चोट से मौत की पुष्टि हुई, जिसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर गैर इरादतन हत्या के तहत मामला दर्ज किया।

मुंबई : जनवरी से अब तक कुल पॉजिटिव मरीजों की संख्या 1,812

मुंबई : महाराष्ट्र में कोविड-19 के 112 मामले सामने आए, जिसके बाद इस साल जनवरी से अब तक कुल पॉजिटिव मरीजों की संख्या 1,812 हो गई है, राज्य के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग ने यह जानकारी दी। नए कोविड-19 मामलों में से 62 पुणे से, 25 मुंबई से, 10 छत्रपति संभाजीनगर से, आठ ठाणे से, पांच नागपुर से और एक-एक रायगढ़ और कोल्हापुर से हैं। विभाग ने एक बयान में कहा कि 1 जनवरी से महाराष्ट्र में किए गए कोविड-19 परीक्षणों की संख्या 19,772 थी। इस अवधि में राज्य में 21 मौतें हुई हैं, जबकि 20 मरीजों को अन्य बीमारियाँ भी थीं।

नागपुरः मनपा के आम चुनाव...

नेताओं में तालमेल नहीं, फिलहाल 'एकला चलो' की रणनीति

नागपुरः राज्य की तर्ज पर आघाड़ी और युति के रूप में मनपा के आम चुनाव लड़ने की भले ही कार्यकर्ता मांग कर रहे हों लेकिन इन दोनों के घटक दलों के नेताओं में अब तक तालमेल नहीं हो पाने के कारण फिलहाल 'एकला चलो' की रणनीति दिखाई दे रही है। उल्लेखनीय है, कि आघाड़ी और युति के तमाम घटक दलों में महानगरपालिका स्तर पर पार्टियों के प्रभाव के आधार पर सीटों का तालमेल करने का सुर लगाया गया था। यहां तक कि वरिष्ठ नेताओं ने भी इसके संकेत दिए थे किंतु बाद में कोई पहल नहीं की गई। मनपा चुनाव को लेकर चुनाव आयोग की प्रक्रिया तो शुरू हुई लेकिन मुख्य दलों को लेकर घटक दलों में कोई हलचल नहीं है। कुछ जानकारों के अनुसार नागपुर महानगरपालिका चुनाव के मद्देनजर सिटी में राकां और शिवसेना का जनाधार नहीं के बराबर है। वर्तमान में भी मनपा में राकां का केवल एक पार्षद है, जबकि शिवसेना के केवल 2 पार्षद हैं। इसे देखते हुए दोनों दलों के लिए कितनी सीटें छोड़ी जाएं, इसे लेकर भी संभ्रम की स्थिति है, जबकि अब राकां और सेना दो-फाड़ हो चुकी हैं।

25-25 सीटों की दरकार

जानकारों के अनुसार युति में शामिल शिंदे सेना और राकां अजित गुट की स्थानीय इकाई की ओर से 156 सीटों में से 25-25 सीटें छोड़ने की मांग की जा रही है। इसे लेकर भाजपा का मानना है कि जब दोनों दलों के पास वर्तमान में ही कोई प्रतिनिधित्व नहीं है तो इतनी सीटें छोड़ने से युति को ही नुकसान होगा। पूरे शहर में राकां का किसी एक प्रभाग में भी पूरा प्रभुत्व दिखाई नहीं देता है। ऐसे में यदि एक प्रभाग में भाजपा के साथ इन दलों को लिया जाए, तो चुनाव चिह्न को लेकर समस्या खड़ी होगी। इन दलों को भाजपा के चुनाव चिह्न पर लड़ना होगा जिसके बाद ही इन्हें कुछ प्रभागों में साथ में लिया जा सकता है किंतु किसी भी स्थिति में दोनों दलों के लिए 50 सीटें छोड़ना संभव ही नहीं है। अतः अलग-अलग लड़कर चुनाव के बाद गठबंधन किया जा सकता है।

पुणे : स्कूली बच्चों का परिवहन एक बहुत ही संवेदनशील मुद्दा; जिला स्कूल परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक...

पुणे : स्कूली बच्चों का परिवहन एक बहुत ही संवेदनशील मुद्दा है, और छात्रों को सुरक्षित रखने और उन्हें सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए सभी बस सुरक्षा मानदंडों का सख्ती से पालन करना आवश्यक है, यह बात पुणे पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने अपने कार्यालय में आयोजित जिला स्कूल परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक

के दौरान कही। बैठक के दौरान संयुक्त पुलिस आयुक्त रंजन कुमार शर्मा, अतिरिक्त आयुक्त मनोज पाटिल, डीसीपी डॉ. संदीप भाजीभाकरे, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ) अर्चना गायकवाड, पुणे के डिप्टी आरटीओ स्वप्निल भोसले, पिंपरी-चिंचवाड़ आरटीओ संदेश चव्हाण, बारामती के डिप्टी आरटीओ सुरेंद्र निकम और नगर निगमों, जिला परिषदों और नगर परिषदों के शिक्षा अधिकारियों सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com